कुल पृष्ठ संख्या– 28 (कवर पेज सहित)

क्रम संख्या 2048535

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

उच्च माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिए)

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ☑ अंग्रेजी ☐

विषय गृह विज्ञान

परीक्षा का दिन सोमवार

दिनांक 09-03-2026

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालन अवश्य करें।

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	8½	19	
2	5	20	
3	10	21	
4	1½	22	
5	1½	23	
6	1½	24	
7	1½	25	
8	1½	26	
9	1½	27	
10	1½	28	
11	1½	29	
12	1½	30	
13	1½	31	
14	2½+½	योग	55½
15	2½+½	प्राप्तांकों का कुल योग (Round off)	
16	2½+½	अंकों में	शब्दों में
17	4	56	छप्पन
18	4		

परीक्षक के हस्ताक्षर संजु

संकेतांक 3 4 3 4 0

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य है, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।

(3)कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ: 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 60 जी.एस.एम. ईको मैपलिथो कागज़ ही उपयोग में लिया गया है। 181 / 2026

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थि अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका, उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंसा प उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर ही अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "सम लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्य की जा सकेगीः–

    (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचन अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की स आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही जावेगी।

    (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्य अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिए। परीक्षार्थी उत्तर पुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या जांच ले यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।

    (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केल्क्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रका इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध है।

    (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिख कर लावें। टेबल के आस–पास कोई अ सामग्री नहीं होनी चाहिए, इसकी जांच कर लें।

    (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्ड अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष छोड़ें।

5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। स विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित हैं। भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

खण्ड-अ

1 (i) (ब) लज्जित पापड़ उद्योग
(ii) (ब) जीविका के रूप में मनपसंद कार्य
(iii) (द) उपरोक्त सभी
(iv) (स) खिचड़ी
(v) (अ) हाइड्रोजनीकरण
(vi) (स) दूध
(vii) (द) पूरे दिन के
(viii) (ब) भय
(ix) (अ) 1964
(x) (स) बालगृह
(xi) (ब) तत्व एवं सिद्धांत
(xii) (ब) ह्यू, मान, तीव्रता
(xiii) (द) चार
(xiv) (अ) रेस्तरां प्रबंधक
(xv) (अ) छः
(xvi) (द) एगमार्क
(xvii) (स) 1969
(xviii) (द) उपरोक्त सभी

2 (i) सरकार
(ii) केरल
(iii) प्रचालित / पुरानी / उपयुक्त / उत्तम
(iv) जैविक
(v) ~~अपराधी / विशेष बच्चे~~ बाल अपराधी

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
½		(vi) द्वितीयक
½		(vii) धोबीघाट
½		(viii) मेजबान
½		(ix) उपभोक्ता व्यवहार
½		(x) एच. आई. वी. / एड्स
½+½+½+½+½+½+½+½+½+½ (5)	3	(i) नौकरी, व्यापार आदि आजीविका के लिए आवश्यक कौशल है
1		
1		(ii) चिरकालिक रोग → यदि मनुष्य लम्बे समय तक किसी रोग से ग्रसित रहते हैं, तो वे रोग चिरकालिक रोग कहलाते। चिरकालिक रोग के उदाहरण - ① हृदयरोग ② मधुमेह ③ आंत्रशोथ ④ उच्च रक्तचाप
1		(iii) आहार चिकित्सा के उद्देश्य - ① मरीज की भोजन की प्रकृति को ध्यान में रखते हुए आहार सूची तैयार करना। ② पोषणहीनता की स्थिति में आहार उपचार हीनता को दूर करना। ③ निर्धारित आहार का अनुसरण करने की आवश्यकता संबंधी सलाह और शिक्षा मरीज को देना।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(iv) खाद्य सुरक्षा → खाद्य सुरक्षा यह सुनिश्चित करता है कि उपभोक्ता द्वारा प्रयोग में लाई जा रही खाद्य सामग्री सुरक्षित है और उपभोक्ता के स्वास्थ्य को हानिकारक रूप से प्रभावित रूप से प्रभावित नहीं करेगी।
भारत सरकार द्वारा उत्पाद की शुद्धता / गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु मानकीकरण चिन्ह लागू किए गए हैं

1

(v) N.G.O. (एन. जी. ओ.) का पूरा नाम → गैर सरकारी संस्था (Non Goverment Organisation)

1

यह संस्थाएँ वित्तीय सहायता प्रदान कर समाज कल्याण किसी मुद्दे को लेकर जागरूकता तथा जनसमुदाय को शिक्षित व जागरूक करने हेतु विभिन्न कार्यक्रम संचालित करती है।

(vi) मॉन्टेसरी स्कूल → मॉन्टेसरी स्कूल एक प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल कार्यक्रम पर आधारित स्कूल होते हैं जिनकी रूपरेखा, नियमावली और कार्यप्रणाली एक प्रसिद्ध शिक्षाविद् "मारिया मॉन्टेसरी" द्वारा निर्धारित की गई है।

1

(vii) क्षैतिज रेखाएँ एक ओर से दूसरी ओर गति पर बल प्रदान करती है और चौड़ाई के भ्रम के सर्जन करती है। साड़ी की प्रिंट में अगर क्षैतिज रेखाएँ से बनी डिजाइन हो तो वह

1

BSER-18/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

शांत, स्थायी व सौम्य प्रभाव प्रदर्शित करेगी।

(viii) सामान्यतः वस्त्रों को प्रयोग में लाते समय, धोते और सुखाते समय पड़ने वाले सिलवटों को समतल करने के लिए इस्तरी ~~करनी~~ करने की आवश्यकता होती है।

1

(ix) होटल में सफाई के लिए काम आने वाले उपकरण का नाम -

1. वैक्यूम क्लीनर
2. विभिन्न प्रकार के पोंछे तथा ब्रश

1

(x) (i) स्वच्छ भारत अभियान (२०१४, 2014 (प्रारंभ)

1

(ii) राष्ट्रीय सेवा योजना (N.S.S)
↳ विशेष रूप से विद्यालयी स्तर पर कार्यरत

(iii) स्काउट और गाइड कार्यक्रम
→ सरकार द्वारा क्रियान्वित

1+1+1+1+1+1
+1+1+1+1=10

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

खण्ड - ब

4 स्वास्थ्य कार्य परिवेश बनाने के लिए तीन सुझाव -

(i) संस्थान कंपनी या कार्य स्थल की नियमित साफ सफाई हेतु पर्याप्त कर्मचारियों की नियुक्ति करना।

(ii) कार्य स्थल पर स्वच्छता बनाए रखने संबंधी नियमों का निर्धारण करना और सख्ती से अनुपालना करवाना।

(iii) कार्य स्थल पर कार्यरत कर्मचारियों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए स्वास्थ्य परिवेश के सकारात्मक परिणामों की चर्चा करना।

(iv) कर्मचारियों को अपनी (स्वयं) की दैनिक आदतों में छोटे-छोटे परिवर्तन कर स्वच्छता के प्रति सजग रहने के लिए प्रोत्साहित करना।

5 खाद्य प्रसंस्करण और प्रौद्योगिकी में जीविका के निम्नलिखित अवसर उपलब्ध हैं -

(1) उत्पादक प्रबंधक
(2) विपणन तथा विक्रय अधिकारी
(3) संवेदी मूल्यांकन
(4) परियोजना व्यवस्थापक
(5) परियोजना मूल्यांकन
(6) शोध तथा शिक्षण
(7) परामर्श

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(8) उद्योग प्रबंधक

6

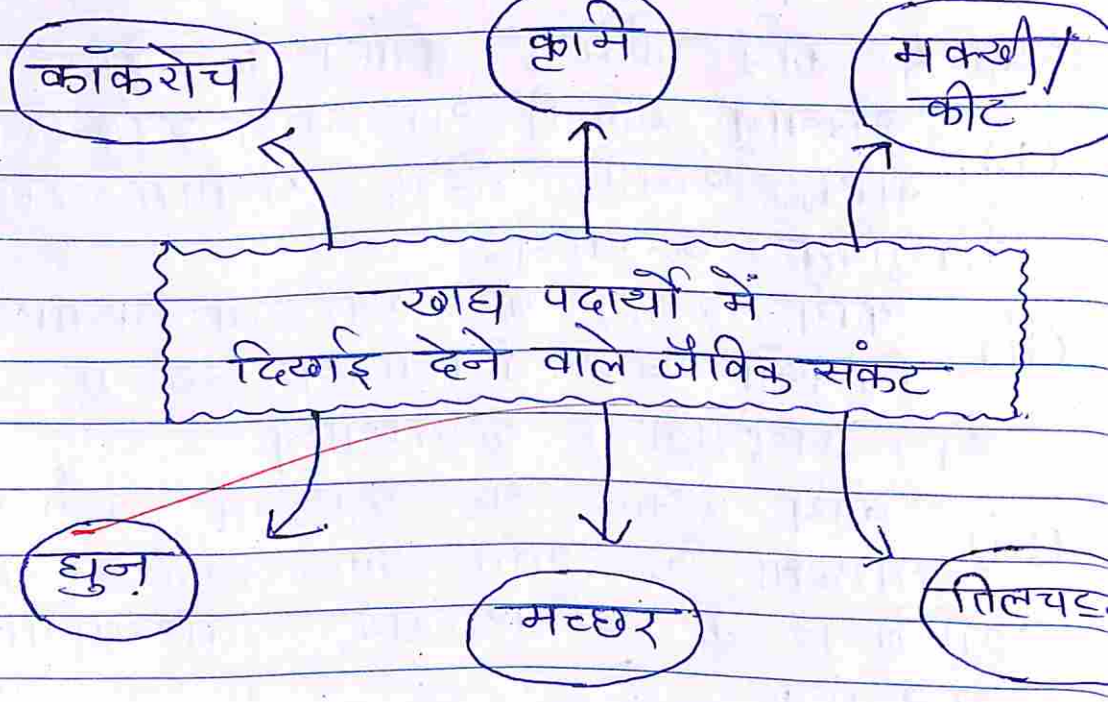

1½

BSER-181/2026

ये दिखाई देने वाले जैविक संकट खाद्य पदार्थों में रोग उत्पन्न कर उसे विषाक्त अथवा संदूषित कर देते हैं खाद्य पदार्थों में रोग उत्पन्न करने के कारण ये "खाद्य जनित रोगाणु" भी कहलाते हैं।

7 रेखा → रेखा को एक ऐसा ऐसी आकृति के रूप में परिभाषित किया जाता है, जो दो बिंदुओं को आप में जोड़ने से बनती है जिसका ए आरंभ तथा एक अंत होता है।

1½

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

रेखा एक अखंडित आकृति होती है जो वक्राकार तथा सरल दोनों रूपों में विद्यमान होती है।

सरल रेखा के दो प्रकार के नाम – ऊर्ध्वाधर व क्षैतिज

(i) ऊर्ध्वाधर रेखा

→ ऊर्ध्वाधर रेखाएँ ऊपर और नीचे गति पर बल देती है, ऊँचाई का महत्व बताती है और वह प्रभाव देती है जो तीव्र, सम्मानजनक और सुरक्षित होता है।

(ii) क्षैतिज रेखा

→ क्षैतिज रेखाएँ एक ~~ओर~~ ओर से दूसरी ओर गति पर बल देती है और चौड़ाई के भ्रम का सर्जन करती है। यह रेखाएँ शांत, स्थायी व सौम्य प्रभाव दर्शाती है।

BSER-181/2026

8

छोटा एकल - इकाई स्टोर	विभागीय स्टोर
(i) छोटा एकल - इकाई स्टोर पड़ोस की दुकान की तरह होता है।	(ii) फैशन के विभागीय स्टोर में पृथक भाग होते हैं, जो ~~विभागों~~ विभाग के नाम से जाने जाते हैं।

1.5

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

छोटे एकल इकाई स्टोर	विभागीय स्टोर
(ii) यह मालिक और परिवार द्वारा चलाये जाने वाले स्टोर होते हैं।	(ii) इसके विभाग जैसे - कपड़े, खेल का सामान, यांत्रिक सप्लाई, स्वास्थ्य व सौंदर्य उत्पाद व इलेक्ट्रॉनिक उपकरण आदि। (iii) कुछ विभाग खाद्य उत्पाद भी बेचते हैं।

9 फैशन चक्र → जिस प्रकार फैशन बदलता है, उसे सामान्यतः फैशन चक्र के नाम से जाना जाता है। कोई फैशन अपने समय या जीवनकाल में, प्रस्तुति से लेकर अप्रचलन तक, पाँच स्तरों में गति करता है।

फैशन चक्र के पाँच स्तर निम्नलिखित -

(i) शैली की प्रस्तुति → जब डिजाइनर नयी शैली बाजार में उतारता है।

(ii) लोकप्रियता में वृद्धि → सभी लोग उस शैली के वस्त्र खरीदना चाहते हैं।

(iii) लोकप्रियता की पराकाष्ठा → अत्यधिक माँग के कारण उस शैली के नकली उत्पाद बनने लगते हैं।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(iv) लोकप्रियता में कमी → सभी जगह उपलब्ध होने के कारण लोग उस शैली से ऊब जाते हैं।

(v) शैली का प्रचलन → लोग अब नयी विकल्प की खोज करते हैं और वर्तमान शैली अप्रचलित हो जाती है।

1½

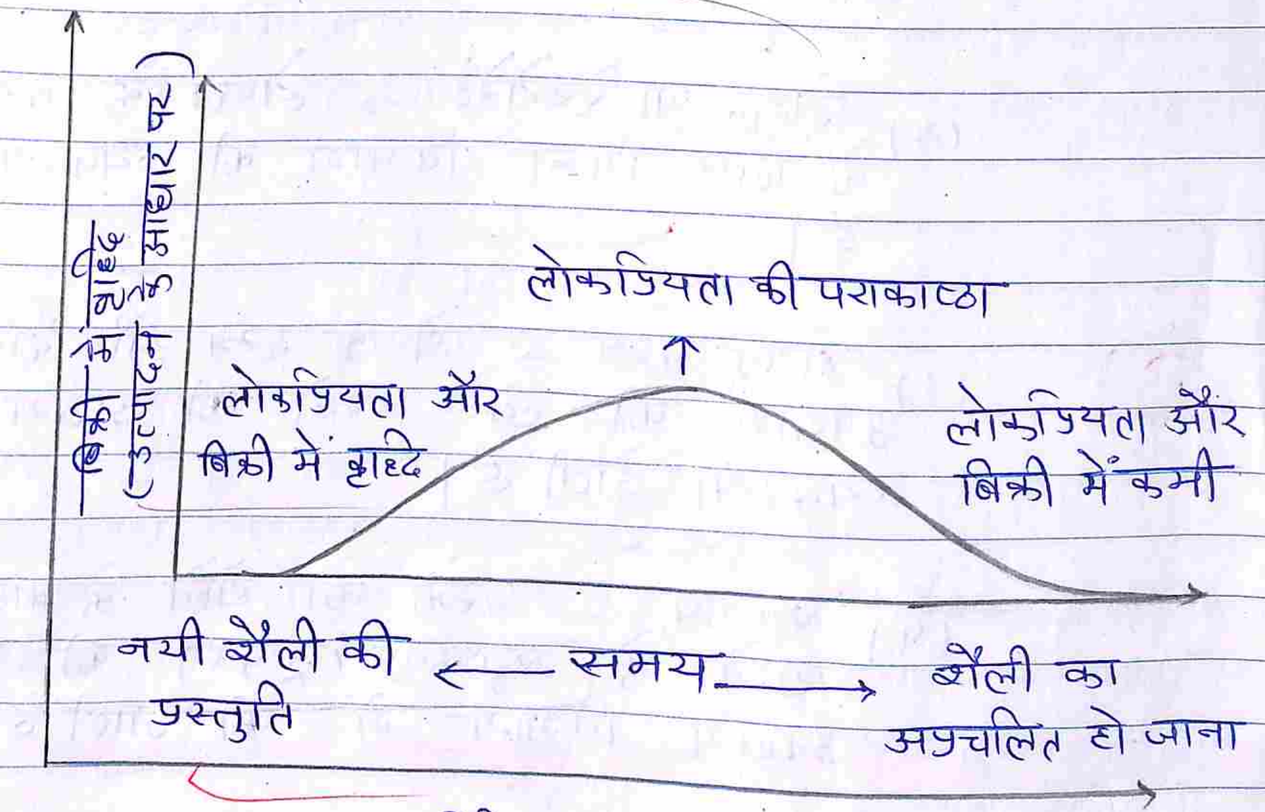

फैशन चक्र

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

10 व्यावसायिक धुलाईघरों में विभिन्न विभागों के लिए अलग-अलग भाग होते हैं जो कि निम्नलिखित वर्णित हैं।

(1) अस्पताल → बड़े धुलाईघरों में अस्पताल से आने वस्त्रों के लिए अलग विभाग होते हैं।

(2) होटल या रेस्टोरेंट → होटल के वस्त्रों के लिए भिन्न विभाग की व्यवस्था होती है।

(3) घरेलू वस्त्र → घरेलू वस्त्र और दैनिक उपयोग की छोटे वस्त्रों की अलग व्यवस्था होती है।

(4) शुष्कक → वस्त्रों को धोने के बाद सुखाने के शुष्कक (ड्रायर) की व्यवस्था अलग विभाग में की जाती है।

BSER-181/2026

1½

...क द्वारा ...त्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

11. आतिथ्य उद्योग में समस्त तथा दक्षपूर्ण संचालन के लिए कार्य का विभाजन विभिन्न विभागों में किया जाता है जिन्हें निम्नवर्णित चित्र के माध्यम से समझाया गया है -

① गृह व्यवस्था विभाग (स्वच्छता सुनिश्चित करने और स्वस्थ परिवेश निर्माण के लिए उत्तरदायी)

② खाद्य व पेय पदार्थ विभाग (खाद्य व पेय पदार्थों की बिक्री के लिए उत्तरदायी)

आतिथ्य उद्योग

③ रसोईघर भंडार विभाग (खाद्य पदार्थों की निरंतर आपूर्ति हेतु जिम्मेदार)

④ लिनेन तथा वर्दी कक्ष विभाग (विभिन्न प्रकार के लिनेन तथा वर्दी के रखरखाव और आपूर्ति हेतु उत्तरदायी)

⑤ बैक ऑफिस विभाग (होटल के कुछ अन्य विभाग संचालन में सहायक होते हैं। इसमें शामिल है - वित्त तथा लेखा, इंजीनीयरी, मानव संसाधन व विपणन तथा विक्रय विभाग आदि।)

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	१२	बाजार से वस्तु खरीदते समय उपभोक्ता को उत्पाद से विभिन्न प्रकार की अपेक्षाएँ रहती हैं जो निम्नचित्रित चित्र द्वारा वर्णित है –

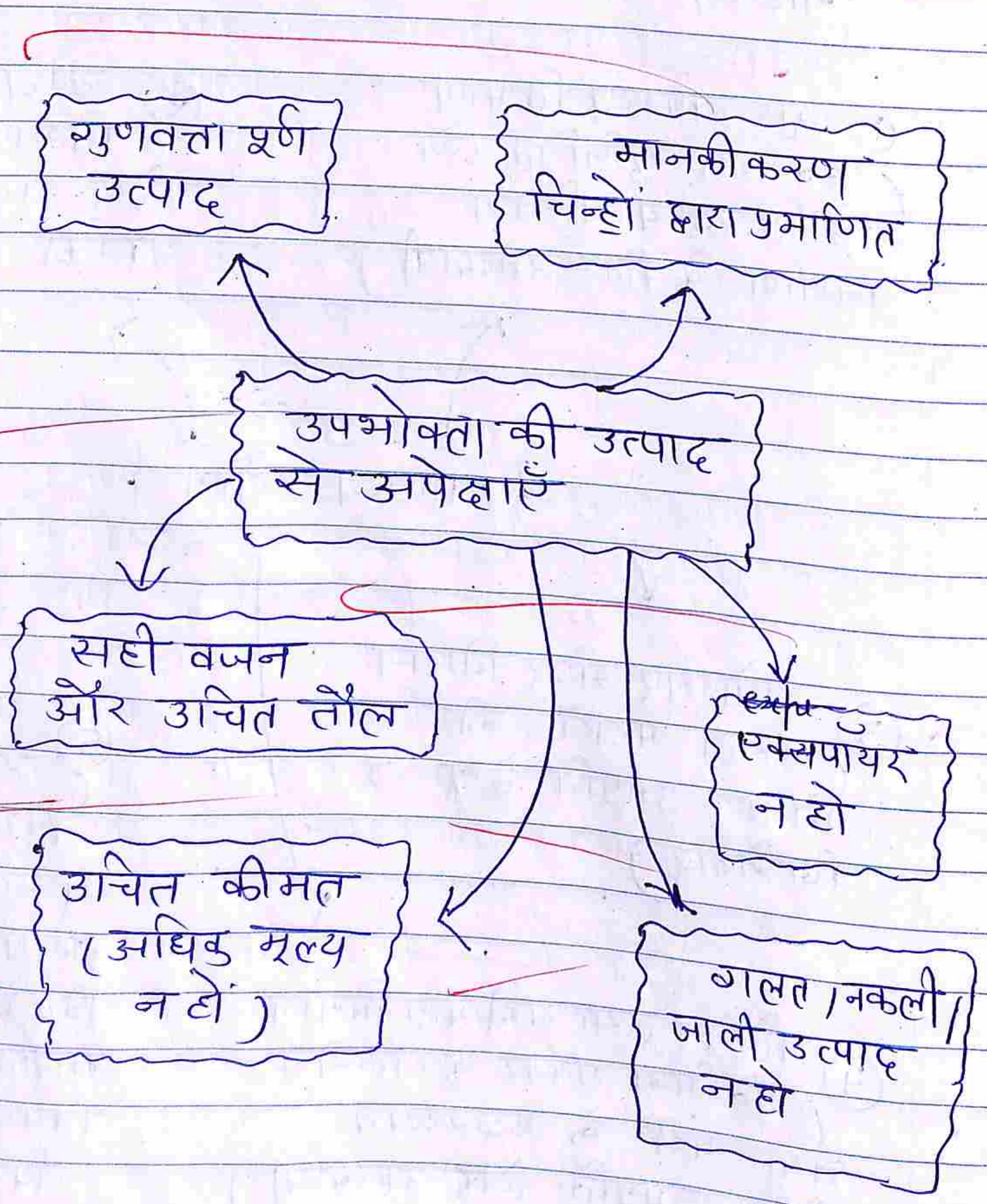

BSER-181 2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

13. संचार विकास में जीविका के निम्नलिखित अवसर उपलब्ध हैं –

(i) रिपोर्टर / एंकर
(ii) संपादक
(iii) प्रेस में कार्यकर्ता
(iv) संचार विकास प्रबंधक
(v) परामर्शदाता
(vi) संचार हेतु शोध और शिक्षण
(vii) संचार विकास परियोजना मूल्यांकन
(viii) परियोजना प्रबंधन
(ix) संचार प्रक्रिया मूल्यांकन
(x) संचार क्षमता मूल्यांकन

BSER-18/2026

खण्ड-स

14. भारत के लोग पोषण की दोनो समस्याओं "अल्पपोषण" तथा "अतिपोषण" का सामना कर रहे हैं।
वर्तमान में भारत में मुख्यतः दो प्रकार की पोषण संबंधी समस्याएँ हैं –
(i) प्रोटीन – ऊर्जा कुपोषण
(ii) सूक्ष्मपोषकों की कमी
① लौहतत्व की कमी से अरक्तता
② विटामिन A की कमी
③ आयोडीन हीनता विकार

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(i) प्रोटीन - ऊर्जा कुपोषण

→ प्रोटीन - ऊर्जा कुपोषण खाद्य पदार्थों में प्रोटीन कमी से संबंधित है जिससे कुपोषण की स्थिति उत्पन्न होती है। यह समस्या सबसे अधिक बच्चों में पाई जाती है, साथ ही वृद्धजन, एड्स के मरीज, मधुमेह, उच्चरक्तचाप के मरीज भी इस रोग के प्रति संवेदनशील रहते हैं।

(ii) सूक्ष्मपोषकों की कमी

→ इस समस्या में शारीरिक वृद्धि के लिए आवश्यक पोषकों जैसे - विटामिन, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, लवण, खनिज आदि की शरीर में कमी हो जाती है। यह अल्पपोषण से संबंधित समस्या है जिसके "छिपी भूख" शब्द का प्रयोग किया जाता है।
इसके भेद निम्नलिखित है -

① आयरन की कमी से अरक्तता

→ इसके अंतर्गत रक्त में आयरन की कमी से अरक्तता रोग हो जाता है।

② विटामिन A की कमी

→ विटामिन A की कमी से रतौंधी रोग

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

हो जाता है और यह आगे चलकर अंधेपन का कारण भी बन सकता है।

(3) आयोडीन हीनता विकार
→ इसमें शरीर में आयोडीन की कमी से गले में "गलगण्ड" (गॉयटर) रोग हो जाता है। यह विश्व की 13 प्रतिशत जनसंख्या को प्रभावित करती है।

15 नर्सरी स्कूल का शिक्षक बनने के लिए हमे ~~निम्न~~ निम्नलिखित कौशलो की आवश्यकता होगी -

(i) नर्सरी स्कूल के बच्चों को शिक्षा देने के लिए हम उन्हें खेल-खेल में सीखने का प्रयास करेंगे।

(ii) हम उन्हें ऐसा परिवेश प्रदान करेंगे जो स्वस्थ, प्रेमपूर्ण, निरापद और सुरक्षित हो।

(iii) बच्चों को बैठने, चलने, दौड़ने, शौच संबंधी प्रारंभिक जानकारियाँ, मेलजोल से रहने, अपनी वस्तुओं को दूसरो के साथ साझा करने, बातचीत के कौशल आदि जानकारियाँ देने का प्रयास करेंगे।

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(iv) बच्चों को एक जगह बिठाकर बड़े बच्चों की तरह औपचारिक शिक्षा देने पर उनकी रुचि जिज्ञासा और उत्सुकता समाप्त हो जाएगी।

(v) इसके विपरीत हमें उन्हें गेम प्रतियोगिताओं, और चर्चाओं से नयी व अच्छी आदतों को सीखने का प्रयास करेंगे।

(vi) बच्चों से अच्छी तरह वार्तालाप करने के लिए और उनके भावों व विचारों को समझने के लिए उनके दृष्टिकोण को अपनाने का प्रयास करेंगे।

3

(viii) हमें बच्चों की समझ, रुचि उत्सुकता को ध्यान में रखते हुए पाठ्यक्रम का स्तर तय करेंगे।

(ix) उन्हें आसानी से समझाने के लिए चित्रों चार्ट फोटोज या डायग्राम का उपयोग करेंगे। सजीव की भाँति छवि बच्चों की स्मृति में अधिक समय तक रहती है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

16 उपभोक्ता के रूप में हम निम्नलिखित समस्याओं का सामना करते हैं –

(1) मिलावटी उत्पाद → किसी पदार्थ को मिलावटी तब कहा जाता है जब कुछ उत्पाद या तो उसमे मिलाए जाते अथवा उसमें से निकाल लिए जाते है जो मानव स्वास्थ्य पर हानिकारक प्रभाव डालते है।

(2) गलत / नकली / जाली उत्पाद
→ दुकानदार द्वारा उपभोक्ता द्वारा मांगी गई सामग्री के स्थान पर (ज्ञान के अभाव के चलते) गलत या उससे मिलता जुलता नाम वाला नकली या एक्सपायर सामग्री दे दी जाती है।

(3) अधिक मूल्य वसूलना
→ उपभोक्ता को कई बार दुकानदारों द्वारा सामग्री या उत्पाद के उचित मूल्य के स्थान पर अधिक मूल्य चुकाना पड़ता है। कई बार मजबूरी के कारण उपभोक्ता इसके शिकार हो जाते है।

(4) कम वजन या तौल
→ उपभोक्ता के जानकार न होने या गणित संबंधी आंकड़ो की जानकारी न होने पर

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

पर दुकानदार द्वारा उचित तौल या वजन की जगह कम सामग्री देकर पूरे भार के पैसे ले लिए जाते है।

खण्ड-द

17 युवाओं के संवेदनशील होने के कारण -

18-35 वर्ष की आयु के व्यक्ति को युवा कहा जाता है।

(i) इस उम्र में परिवार, समुदाय, रिश्तेदारों द्वारा दूसरों से बेहतर करने का दबाव होता है।

(ii) यह उम्र जीवन में अपने निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति हेतु निर्णय लेने के लिए संवेदनशील होती है।

(iii) इस उम्र में विवाह करने और परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी भी उठानी पड़ती है।

(iv) इस उम्र में व्यक्ति के भटकने (नशे की लत, सट्टाबाजी, जुआ)

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

की संभावना भी अधिक रहती है।

युवाओं के निम्न वर्ग अधिक संवेदनशील होते हैं-
(i) ग्रामीण व जनजातीय युवा
(ii) बेरोजगार युवा
(iii) अपंगता वाले युवा
(iv) विद्यालय छोड़ चुके युवा
(v) ग्रामीण किशोर व किशोरियाँ

युवाओं के लिए संचालित कार्यक्रम -

① स्काउट और गाइड कार्यक्रम
→ इस कार्यक्रम के लिए पैसे सरकार देती है। इसमें युवाओं को देशभक्ति की भावना, शारीरिक स्वस्थता सामाजिक मेलजोल की भावना से ओतप्रोत किया जाता है।

② राष्ट्रीय सेवा योजना
→ यह योजना विद्यालयी स्तर पर कार्यरत है। इसमें बच्चों को स्वच्छता हेतु सफाई, पौधारोपण, समाज कल्याण के लिए भोजन वितरण, सड़क निर्माण गड्ढा खोदना आदि कार्य कराए जाते हैं।

③ राष्ट्रीय स्वयंसेवक योजना, राष्ट्रीय युवा खेल

17 (5)

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

कार्यक्रम अन्य कार्यक्रम है।

18 आर्थर पेज ने जनसंपर्क के सात सिद्धांत बताए है जिनमे से कुछ को प्रयोग में लेने के तरीके निम्नलिखित है –

(1) काम द्वारा सिद्धांत कीजिए → किसी प्रतिष्ठान की ~~संस्थ~~ प्रतिष्ठा इस बात पर निर्भर करती है 90% जो वह करती है और 10% जो वह प्रतिष्ठान बोलती है। हम कथनी के अनुसार करणी पर बल देगे अर्थात जो बोलेगे वही करेंगे।

(2) सुनना → किसी उपभोक्ता या व्यक्ति द्वारा शिकायत किए जाने पर हम धैर्यपूर्वक उसे सुनेंगे और शिकायत अनुसार परिवर्तन करेंगे।

(3) जनसंपर्क नीति → जनसंपर्क नीति को विकसित करना और अनुशासित करना।

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(4) वक्तव्य और प्रेस विज्ञप्तियाँ देना → संस्थान की सकारात्मक छवि बनाए रखने हेतु, प्रेस में विज्ञप्तियाँ ज्ञापित देना।

(5) प्रचार करना
→ कंपनी के उत्पादों की प्रसिद्धि हेतु और बिक्री में वृद्धि हेतु बड़े पैमाने पर विज्ञापन द्वारा प्रचार करना।

(6) संबंध बनाना → ग्राहकों से अच्छे संबंध बनाने हेतु उनसे कुशल संवाद स्थापित करना।

(7) प्रकाशन → कंपनी की नीतियों, रूपरेखा, कार्यप्रणाली के बारे में लोगों की जानकारी बढ़ाने हेतु कंपनी की स्वयं की पत्रिकाएँ (मैगजीन) प्रकाशित करना।

कोई भी प्रतिष्ठान जनसंपर्क के उपरोक्त सात सिद्धांतों को अपनाकर। अभ्यास में लाकर अपनी प्रतिष्ठान की सकारात्मक छवि का सर्जन कर सकता है जो उसके आर्थिक लाभों के लिए महत्वपूर्ण सिद्ध होगा।

—समाप्त—

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSEB-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-181/2026